

खबर संक्षेप

महिला से दुष्कर्म व धमकी देने का आरोपी दबोचा

फतेहाबाद। एक महिला से दुष्कर्म करने, उसका शोषण करने तथा वीडियो वायरल करने की धमकी देने के गंभीर आरोपों में घिरे आरोपी को थाना सदर फतेहाबाद पुलिस की टीम ने गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान फतेहाबाद के गांव सोत्तर भट्ट निवासी पवन कुमार के रूप में हुई है। पुलिस द्वारा आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से अदालत के आदेशानुसार उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

पंजाब के दो नशा तस्क़र डबवाली में गिरफ्तार

डबवाली। पुलिस ने डबवाली शहर क्षेत्र से पंजाब के दो नशा तस्क़रों को हेरोइन सहित गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपियों की पहचान पंजाब निवासी साहिल व राहुल के रूप में हुई है और उनके कब्जे से सात ग्राम 8 मिलीग्राम हेरोइन बरामद की गई है।

नशीले कैप्सूल बरामदगी में सह-आरोपी गिरफ्तार

फतेहाबाद। नशीली दवाओं की अवैध तस्करी पर शिकंजा कसते हुए थाना शहर टोहाना पुलिस ने 5,900 नशीले ट्रामाडोल कैप्सूल बरामदगी मामले में तीसरे आरोपी अजमेर पुत्र राजेन्द्र निवासी मुन्हाल हाल हनुमान ढाणी, भिवानी को गिरफ्तार कर लिया है। थाना शहर टोहाना प्रभारी निरीक्षक संदीप ने बताया कि 6 जून 2026 को पुलिस टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर नया बस स्टैंड टोहाना के पास लोहा नहर पुल पर कार्रवाई की थी।

बर्खास्त व निलंबित कर्मियों को मौके पर ही रिज्वाइनिंग लेटर देकर काम पर लौटाया

ईओ के व्यवहार पर बिफरे सफाई कर्मी डीएमसी ने मौके पर मोर्चा संभाला

कल से नई एजेंसी संभालेगी सफाई व्यवस्था

हरिभूमि न्यूज ►फतेहाबाद

प्रदेश सरकार और नगर पालिका सफाई कर्मचारी संघ के बीच मांगों पर सहमति बनने के बाद प्रदेशभर में सफाई कर्मचारियों की हड़ताल खत्म होने की घोषणा हो गई, लेकिन फतेहाबाद जिले में शनिवार सुबह मामला फिर उलझ गया। फतेहाबाद और रतिया में कर्मचारी काम पर नहीं लौटे। फतेहाबाद नगर परिषद में बर्खास्त व निलंबित कर्मचारियों की हाजिरी को लेकर ईओ और कर्मचारियों के बीच तनातनी हो गई। ईओ द्वारा इन कर्मचारियों को काम पर लेने से इंकार करने पर कर्मचारी भड़क गए और धरने पर बैठ गए। मामला बढ़ता देख डीएमसी प्रवीण कुमार मौके पर पहुंचे और कर्मचारियों से बातचीत कर गतिरोध दूर कराया। उन्होंने बर्खास्त व निलंबित कर्मचारियों की रिजाइनिंग की प्रक्रिया मौके पर ही पूरी करवाकर संबंधित आदेश कर्मचारियों को सौंपे। साथ ही आश्वासन दिया कि नई ठेका एजेंसी सोमवार से सफाई का काम शुरू करेंगी और पहले वाली एजेंसी के पास काम कर रहे कर्मचारियों को नई एजेंसी में समायोजित करवाने के लिए कहा जाएगा। डीएमसी के आश्वासन के बाद कर्मचारियों ने तत्काल धरना समाप्त कर काम पर लौटने की घोषणा कर दी।



फतेहाबाद। कर्मचारियों से बातचीत करते डीएमसी। फोटो: हरिभूमि

►► एजेंसी में पुराने कर्मियों के समायोजन का भरोसा

सफाई कर्मचारियों के धरने की सूचना मिलने पर डीएमसी प्रवीण कुमार मौके पर पहुंचे। उन्होंने कर्मचारी नेताओं से बातचीत की और उनकी मांगों को सुना। इसके बाद बर्खास्त व निलंबित कर्मचारियों की रिजाइनिंग करवाकर संबंधित आदेश मौके पर ही कर्मचारियों को सौंपे गए। डीएमसी ने यह भी स्पष्ट किया कि नई ठेका एजेंसी सोमवार से शहर में सफाई कार्य शुरू करेंगी। उन्होंने कर्मचारियों को आश्चर्य किया कि पहले वाली एजेंसी के अधीन काम कर रहे कर्मचारियों को नई एजेंसी में समायोजित करने के लिए कहा जाएगा।

इन कर्मचारियों को लेकर रहा विवाद

सफाई कर्मचारियों की हड़ताल के दौरान कार्रवाई का सामना करने वाले कर्मचारी नेताओं में नगर पालिका कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष विजय दाका और सचिव वीरू रानी शामिल हैं। दोनों को बर्खास्त किया गया था, जबकि महिला सफाई कर्मचारी किरण को निलंबित किया गया था। शनिवार को इन्हें कर्मचारियों को लेकर हाजिरी और ड्यूटी पर लौटने का विवाद खड़ा हुआ था।



रतिया में भी शुरू हुआ सफाई कार्य

प्रदेश स्तर पर हड़ताल खत्म होने के बाद जिले में सफाई व्यवस्था सामान्य होने की उम्मीद थी, लेकिन ईओ के व्यवहार से फतेहाबाद और रतिया में गतिरोध पैदा हो गया। बाद मेंफतेहाबाद में डीएमसी के हस्तक्षेप के बाद कर्मचारी काम पर लौटने को तैयार हो गए। अब सोमवार को नई एजेंसी के काम संभालने के बाद यह देखना अहम होगा कि 14 वार्डों समेत पूरे शहर में सफाई व्यवस्था कितनी तेजी से पटरी पर लौटती है।

14 वार्डों की सफाई का ठेका भी बना विवाद की वजह

फतेहाबाद शहर में सफाई व्यवस्था को लेकर एक अन्य बड़ा पेच ठेका एजेंसी को लेकर भी बना हुआ है। शहर के करीब 14 वार्डों में सफाई का ठेका संभालने वाली एजेंसी की अवधि समाप्त हो चुकी है। नई एजेंसी को वर्क ऑर्डर जारी किया जा चुका है, लेकिन एजेंसी ने अभी तक सफाई कार्य शुरू नहीं किया था। ऐसे में हड़ताल खत्म होने के बावजूद इन वार्डों में सफाई व्यवस्था शुरू होने को लेकर असमंजस बना हुआ था। कर्मचारियों की मांग थी कि यदि ठेका एजेंसी बदली जाती है तो पहले ठेकेदार के पास काम कर रहे सफाई कर्मचारियों को ही नई एजेंसी में रखा जाए, ताकि उनके रोजगार पर संकट न आए। शनिवार को डीएमसी के आश्वासन के बाद इस मुद्दे पर भी कर्मचारियों को राहत मिली।

नगर परिषद कार्यालय पहुंचे थे। कर्मचारियों का कहना था कि वे काम करने के लिए तैयार हैं, लेकिन पहले बर्खास्त और निलंबित किए गए कर्मचारियों को भी ड्यूटी पर लिया जाए। कर्मचारी नेताओं के अनुसार जब इन कर्मचारियों की हाजिरी लगाने का प्रयास किया गया तो ईओ सुरेश चौहान ने हाजिरी स्वीकार करने से इंकार कर दिया।



सीएम ने कुत्ताबढ़ में सैनिक सुखचैन सिंह को दी श्रद्धांजलि

हरिभूमि न्यूज ►सिरसा

हरियाणा के मुख्यमंत्री नाथन सिंह सैनी अपने सिरसा घेरे के दौरान गांव कुत्ताबढ़ पहुंचकर सैनिक सुखचैन सिंह को पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी और राष्ट्र की सेवा में उनके बलिदान को नमन किया। मुख्यमंत्री ने सैनिक स्व. सुखचैन सिंह की माता अमर कौर, पत्नी निर्मल कौर, भाई सर्वजीत, बेटा आकाशदीप व परिजनों को ढांडस बंधाया और हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले वीर जवानों का त्याग और शौर्य सदैव देशवासियों के लिए प्रेरणास्रोत रहेगा। शहीदों का बलिदान राष्ट्र कभी नहीं भूल सकता।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सैनिक सुखचैन सिंह के परिजनों से भी मुलाकात की और उन्हें ढांडस बंधाया।

15 सितंबर की रात से फिर सक्रिय होगा मानसून, 18 तक बारिश के आसार

फतेहाबाद। प्रदेश में पिछले कुछ दिनों से कमजोर पड़ा मानसून एक बार फिर सक्रिय होने के संकेत दे रहा है। चौधरी चरणसिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के कृषि मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार 15 सितंबर की देर रात से 18 सितंबर तक प्रदेश में ज्यादातर स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। इस दौरान कई जगहों पर हवाओं के साथ गरज-चमक भी देखने को मिल सकती है। बारिश के चलते दिन के तापमान में गिरावट आने की संभावना है, जिससे उमस और गर्मी से भी राहत मिल सकती है। कृषि मौसम विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. मदन खीचड़ ने बताया कि वर्तमान में मानसून ट्रफ की अक्षीय रेखा की उत्तरी सीमा जैसलमेर, राजगढ़, बैतूल और गोपालपुर से होते हुए उत्तर-पूर्वी बंगाल की खाड़ी तक बनी हुई है। इसके कारण हरियाणा में फिलहाल मानसून की सक्रियता कमजोर बनी हुई है। हालांकि छत्तीसगढ़ से होते हुए महाराष्ट्र, गुजरात और राजस्थान की ओर से कुछ नमी वाली हवाएं प्रदेश की तरफ आ रही हैं। इनके प्रभाव से अगले दो दिनों तक आसमान में बीच-बीच में आंशिक बादल छाए रह सकते हैं और मौसम परिवर्तनशील बना रहने की संभावना है।

TATA की पेशकश

आपकी जीत।
भारत की जीत।

सोना एक्सचेंज करने की पारदर्शी प्रक्रिया जो आपको अपने पुराने सोने का बेहतरीन मूल्य देती है और भारत को सोने का आयात कम करने में मदद करती है।
यही है एक #WinWinGoldExchange

36 लाख भारतीयों ने पाया अपने पुराने सोने का बेहतरीन मूल्य

फ्लैट 0% कटौती* किसी भी ज्वेलर से लिए गए पुराने सोने (18 कैरेट और उससे अधिक) के एक्सचेंज पर।

₹

किसी भी ज्वेलर से लिए गए पुराने सोने का कैश में बेहतरीन मूल्य पाइए (9 कैरेट जितना कम)।

TANISHQ

— GOLD —
EXCHANGE

✓ कोई छिपी कटौती नहीं

365

साल भर एक्सचेंज की सुविधा

🏠

नए गोल्ड और डायमंड डिजाइन्स घर लाइए

🎁

शादी, त्योहारों और खास मौकों के लिए एक्सचेंज करें

Talk to our jewellery expert to know more ☎ 1800 2966 677 Buy online at tanishq.co.in or Download our App 📱📲 *Conditions apply, For T&C visit our website.

नया शोरूम : तनिष्क, बस स्टैंड के पास, हिसार रोड, सिरसा, फोन: 86077-80000

खबर संक्षेप

समस्या बने एफसीआई गोदाम के कीट

सिरसा। एफसीआई गोदाम से उड़कर आने वाले अनाज के कीट स्थानीय निवासियों के लिए गंभीर समस्या बने हुए हैं। अकेला सी ब्लॉक ही नहीं, जहाँ-जहाँ गोदाम बने हुए हैं, वहां ये समस्या गंभीर होती जा रही है। हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल के शहरी प्रधान कीर्ति गर्ग ने कहा कि समस्या को लेकर उपयुक्त को ज्ञापन के माध्यम से कई बार अवगत करवाया जा चुका है, लेकिन कोई सुनने को तैयार ही नहीं है। उन्होंने बताया कि आवासीय क्षेत्र के निकट भारतीय खाद्य निगम का गोदाम स्थित है। पिछले कई वर्षों से गोदाम से काफी संख्या में अनाज के कीट (घुन/बीटल) उड़कर घरों में प्रवेश कर रहे हैं।

नेशनल जूनियर स्पर्धा के लिए वुशु ट्रायल 18 से फतेहाबाद।

वुशु स्पोर्ट्स एसोसिएशन हरियाणा की ओर से 18 से 20 सितंबर तक फतेहाबाद स्थित बोधिधर्म स्पोर्ट्स एकेडमी में राज्य स्तरीय चयन ट्रायल का आयोजन किया जाएगा। इन ट्रायल के माध्यम से हरियाणा के खिलाड़ियों का चयन नेशनल जूनियर वुशु प्रतियोगिता के लिए किया जाएगा। ट्रायल में हरियाणा के विभिन्न जिलों से योग्य खिलाड़ी भाग ले सकेंगे। 18 सितंबर को खिलाड़ियों की वेंटिंग/वेरिफिकेशन एवं आवश्यक औपचारिकताओं का कार्य किया जाएगा तथा इसके बाद निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार चयन प्रक्रिया आयोजित की जाएगी। ट्रायल में भाग लेने के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करवाना अनिवार्य है।

देवीलाल जयंती कार्यक्रम को लेकर दिया न्योता

सिरसा। विधायक आदित्य चौटाला ने शनिवार को जननायक चौधरी देवीलाल की जयंती को लेकर गांव अबूबशहर, जोतांवली, लौहगढ़ शेरगढ़, अलीका, मसीता, राजपूत माजरा, लखुआना, मौजगढ़, मटदाद आदि में जनसंपर्क किया। उन्होंने ग्रामीणों को आगामी 27 सितंबर को नूंह में होने वाली सम्मान दिवस रैली को लेकर ग्रामीणों से अधिक से अधिक संध्या में इस रैली में भाग लेने का आह्वान किया। मौजूदा सरकार की तानाशाही नीतियों से जनता परेशान है। इस जनसंपर्क अभियान में विधायक आदित्य देवीलाल के साथ पूर्व विधायक डॉ. सीताराम, विनोद अरोड़ा, मरें सिंह सरां, अजय कुमार जाखड़, कुलदीप जम्मू, धर्मेन्द्र शर्मा, सुनील डूडी, सुखमिंद्र कुलार, गुरजीवन, हरबिंदर सरां, अमरजोत, महावीर प्रसाद सहित अपने सहकर्मियों पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद थे।

मंडी में आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित हों : सांसद

हरिभूमि न्यूज ►► फतेहाबाद

राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने शनिवार को अपने फार्म हाउस पर नागरिकों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे लोगों ने अपनी समस्याएं सांसद के समक्ष रखीं। सांसद ने संबंधित अधिकारियों को जनसमस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करने के निर्देश दिए। सांसद सुभाष बराला ने नागरिकों को आश्वासित किया कि उनकी मांगों और समस्याओं को सरकार एवं प्रशासन के संज्ञान में लाकर नियमानुसार आवश्यक



फतेहाबाद। लोगों की शिकायतें सुनते सांसद सुभाष बराला।

फोटो : हरिभूमि

कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि जनता की जायज मांगों का समाधान करवाना उनकी प्राथमिकता है और जनहित के जुड़े मामलों में संबंधित विभाग

गंभीरता से कार्य करें, यह सुनिश्चित किया जाएगा। सांसद ने कहा कि दोहाना सहित पूरे जिले में केंद्र एवं प्रदेश सरकार को अनेक विकास परियोजनाओं पर कार्य

छात्राओं ने सीखी 23 तरह के उत्पाद बनाने की कला

हरिभूमि न्यूज ►► सिरसा

राजकीय महिला महाविद्यालय सिरसा में तीन दिवसीय रेंजिन आर्ट कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मुख्यतिथि के तौर पर राजकुमार ने विद्यार्थियों को रेंजिन आर्ट की विभिन्न तकनीकों का व्यवहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया। कार्यशाला के दौरान विद्यार्थियों ने लगभग 23 रेंजिन आर्ट की वस्तुएं/आर्टिकल्स तैयार करना सीखा। विद्यार्थियों को रेंजिन और हाईडर के सही अनुपात, रंगों के प्रयोग, डिजाइन तैयार करने, फिनिशिंग एवं पॉलिशिंग तथा आकर्षक एवं टिकाऊ उत्पाद बनाने



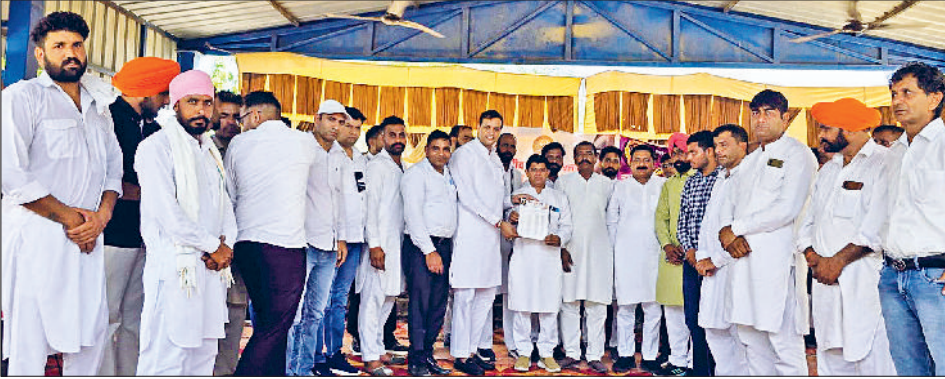
की तकनीकों के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही रेंजिन आर्ट करते समय ग्लव्स, मास्क तथा उचित वेंटिलेशन का प्रयोग करने एवं रसायनों को सावधानीपूर्वक संभालने जैसी सुरक्षा सावधानियों से भी अवगत करवाया गया। कार्यशाला में विद्यार्थियों की

रचनात्मकता, कलात्मक कौशल एवं उद्यमिता क्षमता विकसित करने पर विशेष जोर दिया गया। उन्हें रेंजिन आर्ट को एक उपयोगी कौशल एवं स्वरोजगार के अवसर के रूप में अपनाने के लिए भी प्रेरित किया गया। कार्यशाला का संचालन प्रो. मीनू द्वारा किया गया।

राजकीय विद्यालय में जागरूकता कार्यक्रम, 31 सदस्यीय कमेटी का गठन

कबीर बस्ती के बाद अब अलीका होगा नशामुक्त : भवानी सिंह

हरिभूमि न्यूज ►► फतेहाबाद



फतेहाबाद। गांव अलीका में 31 सदस्यीय कमेटी की घोषणा करते नशामुक्ति सेना के संस्थापक भवानी सिंह।

फोटो : हरिभूमि

कमेटी में ये शामिल

गठित समिति में जीताराम प्रधान, विपिन कुमार, राकेश कुमार, अंगद देव, रामचन्द्र, महेंद्र सिंह नंबरदार, राम सामा, कृष्ण सामा, शिव दयाल, सतपाल सिंह, डॉ. मिलख राज, कविश अनेजा, काला चावला, केवल कृष्ण, कृष्ण सरारी, सुखदेव सिंह, सर्वजीत सिंह, वकील मिस्त्री, सुरजीत राव, सुशील सरारी, नींदू, मंगत कज्जोज, सुरेश मिस्त्री, राधेश्याम चावला, शंटी कुमार, कृष्ण मास्टर, केवल संधू, गोविंद, डॉ. अनिल कुमार, डॉ. मजनलाल और अजय कुमार को शामिल किया गया है।

नशा बेचने वालों का होगा सामाजिक बहिष्कार

कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों में भारी रोष और उत्साह देखने को मिला। गांव के लोगों ने एकजुट होकर संकल्प लिया कि गांव में नशा बेचने वाले असामाजिक तत्वों को अब किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ग्रामीणों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि नशा तस्करों में लिप्त लोगों का पूर्ण रूप से सामाजिक बहिष्कार किया जाएगा और उन्हें गांव से बाहर खदेड़ने का काम करेंगे। गांव में नशे के खिलाफ निरंतर अभियान चलने और युवाओं को सही दिशा देने के लिए 31 सदस्यों की एक विशेष नशामुक्ति समिति का गठन किया गया। यह समिति गांव में घर-घर जाकर जागरूकता फैलाएगी, नशा पीड़ितों की मदद करेगी और नशामुक्त वातावरण बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेगी। इस अवसर पर गांव की सरपंच मौनिका, स्कूल प्रिंसिपल डॉ. नरेश कुमार, एसएसजी प्रधान डॉ. मिलख राज, पंच अनिल कुमार, दीपक मेहता, इन्द्रजीत नंबरदार, केवल सिद्धू, अमीर भगत सिंह, मदन भूना, सोनी सरपंच, गुलशन बरियापुर, कपिल बोसवाल, कृष्ण पारवा, संदीप सिद्धू, काला हड़ौली, कुलविन्द हड़ौली आदि मौजूद रहे।

सफाई व्यवस्था को सुचारु रूप से बनाए रखने की ली शपथ

रतिया। कस्तूरबा गांधी बालिका

विद्यालय, खाई में पर्यावरण की शुद्धता एवं सफाई व्यवस्था को सुचारु रूप से बनाए रखने के उद्देश्य से छात्राओं ने स्वच्छता एवं श्रमदान का संकल्प लिया। हिंदी प्रवक्ता सुनीता मांगा के नेतृत्व में छात्राओं ने शपथ लेते हुए कहा कि वे वर्ष में कम से कम 100 घंटे श्रमदान अवश्य करेंगी तथा अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखने में सक्रिय योगदान देंगी। प्राचार्य अवनशीर्षा गर्ग ने कहा कि पर्यावरण की शुद्धता मानव जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक है। स्वच्छ वातावरण से न केवल स्वास्थ्य बेहतर रहता है, बल्कि समाज में सकारात्मक सोच का भी विकास होता है। साहित्यकार डॉ. नैब सिंह मंडेर ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है कि वह अपने मन, तन, विचारों तथा अपने चारों ओर के वातावरण की स्वच्छता को बनाए रखने के लिए जागरूक रहे। इस मौके पर प्रवक्ता चरणजीत सिंह, सोनू राव, घनश्याम, वार्डन महेशी, शीनू रानी, सतिता, रुमिन्दर कौर, सीमा रानी, निशा रानी आदि रहे।

रानियां मंडी में परमल की आवक शुरू एमएसपी से ज्यादा में बिक रहा धान

हरिभूमि न्यूज ►► रानियां

रानियां की अनाज मंडी में परमल धान की आवक शुरू होते ही फसल हाथों-हाथ बिक रही है। अधिक नमी और बिना पंखा-सफाई के भी धान की मौके पर पूरी मांग है तथा व्यापारी समर्थन मूल्य से ऊपर भाव देकर खरीद कर रहे हैं। व्यापारी किसानों के खेतों तक पहुंचकर भी सीधे धान खरीद रहे हैं। मंडी में पहुंचने वाली फसल भी बिना इंतजार के बिक रही है। मंडी में शिव ट्रेडर्स नामक दुकान पर किसान रामजीलाल की 50 क्विंटल धान की ढेरी 2,465 रुपये, किसान विकास पुत्र नरेश की 50 क्विंटल की ढेरी 2,470 रुपये तथा किसान विक्रम पुत्र मनीराम की 50-50 क्विंटल की ढेरियां क्रमशः 2,471 और 2,491 रुपये प्रति क्विंटल के भाव पर बिकीं। यह धान श्री गणेश इंटरप्राइजेज ने खरीदा। इस वर्ष ग्रेड-ए धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2,461 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित है।

सर्व पितृ शनि अमावस्या पर शनि धाम में मनेगा महोत्सव

हरिभूमि न्यूज ►► सिरसा

आश्विन मास की सर्वपितृ शनैश्वरी अमावस्या आगामी 10 अक्टूबर को है। इस पावन अवसर पर नोहरिया बाजार स्थित प्राचीन श्री शनि धाम मंदिर में शनि अमावस्या महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। मंदिर में शनि तेल स्नान, हवन, भंडारा एवं शनि महिमा गुणगान कार्यक्रम होगा। प्राचीन शनि मंदिर चैरिटेबल ट्रस्ट के पदाधिकारी आनंद भार्गव व दीपक भार्गव ने बताया कि श्राद्ध पक्ष की अमावस्या का विशेष महत्व होता है। इस बार यह अमावस्या शनिवार को

होने के कारण और भी प्रभावशाली है। ट्रस्ट के पदाधिकारी ने बताया कि सर्व पितृ अमावस्या के अवसर पर श्रद्धालु अपने पितृ जनों को श्रद्धा सुभन अर्पित करने के साथ-साथ भगवान शनि देव जी की पूजा अर्चना व हवन में भाग लेकर भगवान का आशीर्वाद प्राप्त करें।

उन्होंने बताया कि शनि अमावस्या 10 अक्टूबर को प्रातः 5 बजे से शनि तेल स्नान आरंभ होगा। तपश्चक्र प्रातः 7 बजे हवन व प्रसाद वितरण होगा। उन्होंने क्षेत्र वासियों से आह्वान किया कि कार्यक्रम में शाह परिवार शामिल हो।

न्यूज डायरी



6 साल से बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटों का मुद्दा गरमाया

भट्टकलां। भट्ट मंडी स्थित सावित्रीबाई पुस्तकालय में क्षेत्र की प्रमुख जनसमस्याओं को लेकर एक प्रतिनिधिमंडल ने जेमानिवृत आईजी दलबीर भारती से मुलाकात की और उन्हें ज्ञापन सौंपा। सरपंच प्रतिनिधि आशीष सिंगला, समाजसेवी आशु गोयल, संजय उर्फ जंगली और पर्यावरण प्रेमी नरेंद्र लूना के नेतृत्व में मिले इस प्रतिनिधिमंडल ने चोपटा रोड पर पिछले छह वर्षों से बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटों को तुरंत चालू कराने तथा भट्ट कलां व भट्ट मंडी में जारी सीवरेज कार्य की गति तेज करने की मांग उठाई। सरपंच प्रतिनिधि आशीष सिंगला और समाजसेवी आशु गोयल ने कहा कि चोपटा रोड क्षेत्र का एक प्रमुख मार्ग है, लेकिन पिछले 6 सालों से रोशनी न होने के कारण रात के समय राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बार-बार गुठार लगने के बावजूद इस समस्या का समाधान नहीं हो सका है। उन्होंने मांग की कि इस पुरानी समस्या का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाए।



शर्मा चंद्र लाली बने नामदेव समा के जिलाध्यक्ष

भूना। संत शिरोमणि नामदेव समा फतेहाबाद की जिला स्तरीय बैठक गौता धर्मशाला में समा के संरक्षण होशियार सिंह रोहिल्ला, पूर्व प्रधान राजेंद्र सिंह कैथ और पटवारी हरदेव सिंह की संयुक्त अध्यक्षता में हुई। बैठक में वर्ष 2026-27 के लिए नई जिला कार्यकारिणी का सर्वसम्मति से गठन किया गया। छिप-रोहिल्ला समाज के पदाधिकारियों एवं समाजबंधुओं ने शर्मा चंद्र लाली को समा का जिला अध्यक्ष चुना। बैठक में संत शिरोमणि नामदेव भवन फतेहाबाद के लिए खरीदी गई जमीन की रजिस्ट्री करवाने सहित आगामी सामाजिक एवं संगठनात्मक गतिविधियों पर विस्तार से चर्चा की गई। समाजबंधुओं ने आपसी सहयोग और भाईचारे के साथ नामदेव भवन के निर्माण कार्य को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। नई कार्यकारिणी में पूर्व प्रधान राजेंद्र सिंह कैथ, मास्टर होशियार सिंह और कृष्ण लाल पंचार को संरक्षक बनाया गया।



60 एसएचजी महिलाओं को मिला प्रशिक्षण प्रमाण-पत्र

सिरसा। स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में नाबाई द्वारा जिला सिरसा में विश्वास संस्था के सहयोग से प्रभावी पहल की जा रही है। संस्था के माध्यम से महिलाओं को रोजगारोन्मुखी कौशल प्रशिक्षण प्रदान करते हुए उनकी क्षमता का विकास किया जा रहा है, जिससे वे स्वावलंबन की ओर अग्रसर हो रही हैं। उक्त शब्द नाबाई सिरसा के जिला विकास प्रबंधक स्वरदीप सिंह ने गांव गंगा में आयोजित प्रशिक्षण के उपरान्त प्रमाण पत्र वितरण समारोह में स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को संबोधित करते हुए कहे। उन्होंने बताया कि नाबाई का उद्देश्य ग्रामीण समृद्धि के लिए स्थायी आजीविका के अवसर सृजित करना है। इसी कड़ी में जिला सिरसा के ब्लॉक डबवाली में 120 एसएचजी महिलाओं को आत्मनिर्भरता से जोड़ने हेतु डेयरी फार्मिंग गतिविधि में प्रशिक्षण प्रदान करते हुए आजीविका से जोड़ा जा रहा है। विश्वास संस्था के सचिव विनीता ने बताया कि इस कार्यक्रम का मु्य उद्देश्य महिलाओं के भीतर छिपे कौशल को निखारना और उनमें आत्मविश्वास का संचार करना है, जिसके तहत नाबाई के तत्वावधान में गांव गंगा में स्वयं सहायता समूह की 60 महिलाओं को डेयरी फार्मिंग गतिविधि के तहत विशुल्क प्रशिक्षण के उपरान्त प्रमाण पत्र वितरित किए गए, जिससे महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने में सहायता मिलेगी।



पर्यावरण संतुलन बनाना सब का दायित्व: कुलदीप सिंह

सिरसा। पर्यावरण संरक्षण एवं हरियाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से माता उचालाजी धर्मशाला में भव्य पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एसएसआई कुलदीप सिंह ने कहा कि आज के समय में पर्यावरण संतुलन बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। लगातार बढ़ता प्रदूषण, घटता हरित क्षेत्र और बदलता मौसम पर्यावरण संरक्षण की दिशा में गंभीरता से कार्य करने का संदेश दे रहा है। ऐसे में अधिक से अधिक पौधे लगाकर उनकी नियमित देखभाल करना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि पौधारोपण केवल एक दिन का कार्यक्रम नहीं, बल्कि निरंतर चलने वाला अभियान होना चाहिए। लगाए गए प्रत्येक पौधे को पेड़ बनने तक उसकी देखभाल करना ही पौधारोपण अभियान की वास्तविक सफलता है। उन्होंने आमजन से भी अपने घरों, संस्थानों, धार्मिक स्थलों एवं सार्वजनिक स्थानों पर पौधे लगाने तथा दूसरों की भी इसके लिए प्रेरित करने का आह्वान किया।

फतेहाबाद में विशेष मेगा कैंप आज

नियमित होंगे कनेक्शन

एक ही छत के नीचे निपटेंगे ये काम

- नए जल व सीवरेज कनेक्शन की तत्काल स्वीकृति
- पुराने मंजूर कनेक्शनों पर रॉटर मीटर लगवाना
- कनेक्शन में नाम परिवर्तन (स्वामित्व में बदलाव)
- पेयजल एवं सीवरेज से जुड़ी अन्य शिकायतें व विभागीय कार्य

नागरिक छूट का लाभ उठाएं

नागरिक सरकार द्वारा दी जा रही इस अभूतपूर्व छूट का लाभ उठाकर रविवार को ही अपने कनेक्शन नियमित करवाएं। बिना अनुमति तल रहे अथैव कनेक्शनों के खिलाफ विभाग नजद ही कड़ा पैकिंग अभियान चलाकर नियमानुसार सख्त कार्रवाई करेगा।

- सतपाल रोज, उपमंडल अभियंता, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग

कैंप में आवेदकों के 200 सरल केंद्र फ्लंबर/फाइल शुल्क पूरी तरह मुफ्त रहेगा।

जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग

फतेहाबाद में विशेष मेगा कैंप आज

आगामी 5 वर्षों में 100 प्रतिशत सीवरेज व जलापूर्ति का लक्ष्य

कार्यकारी अभियंता बलविंद नेन ने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह नेत्री और जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणवीर सिंह गंगवा के दिशा-निर्देशों पर यह विशेष व्यवस्था की गई है। शहर में वैध कनेक्शनों का सटीक आंकड़ा मिलने से सरकार को भविष्य की जलापूर्ति, सीवरेज नेटवर्क के विस्तार और जल संरक्षण की प्रभावी योजना बनाने में आसानी होगी। सरकार का लक्ष्य आगामी 5 वर्षों में पूरे शहर को 100 प्रतिशत वैध जलापूर्ति और सीवरेज सेवा से जोड़ना है।

देनी होगी। उपमंडल अभियंता सतपाल रोज ने बताया कि पहले नए जल कनेक्शन के लिए आम उपभोक्ता को लगभग 10 हजार से 13 हजार तक का भारी-भरकम खर्च करना पड़ता था। सरकार ने इसमें ऐतिहासिक छूट दी है। अब

उपभोक्ता मात्र 10 रुपये प्रति माह (जो बिल के साथ जुड़कर आएगा) देकर नया घरेलू कनेक्शन स्वीकृत करवा सकते हैं। इसके अलावा यदि कोई उपभोक्ता एकमुश्त भुगतान करना चाहता है, तो 1,500 जमा कराकर स्वीकृति ले सकता है। मेगा

हरिभूमि न्यूज ►► फतेहाबाद

शहर में शत-प्रतिशत वैध पेयजल एवं सीवरेज व्यवस्था उपलब्ध कराने और उपभोक्ताओं को बड़ी आर्थिक राहत देने के उद्देश्य से जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग ने बड़ा कदम उठाया है।

उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए रविवार, 13 सितंबर को भट्ट रोड स्थित विभाग का कार्यालय विशेष रूप से प्रातः 9 बजे से दोपहर तीन बजे तक खुला रहेगा। इस मेगा आयोजन में नागरिकों को न तो सरल केंद्र के चक्कर काटने पड़ेंगे और न ही फाइल या प्लंबर की कोई फीस

ख़बर संक्षेप

प्राचीन गणेश मंदिर में गणेश महोत्सव 14 को

फतेहाबाद। गद्दी मोहल्ला पुरानी तहसील मेन बाजार में स्थित नगर का सबसे प्राचीन गणेश मंदिर में गणेश महोत्सव सोमवार 14 सितम्बर को सुबह 9 बजे बड़ी धूमधाम से मनाया जाएगा। मंदिर के मुख्य सेवक राजेंद्र मोदी ने बताया इस मंदिर को हमारे परिवार के मुखिया सेठ गणेशी लाल ने 1872 में बनाया था, जिसका जीर्णोद्धार मोदी परिवार ने 17 वर्ष पूर्व करवाया था। तब से इसमें प्रतिवर्ष मोदी परिवार द्वारा गणेश महोत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है।

दिव्या योग यात्रा देश के विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचेगी

फतेहाबाद। रतिया रोड स्थित योग दिव्या मंदिर से दिव्या योग यात्रा विभिन्न धार्मिक स्थानों का अवलोकन करने के लिए रवाना हुई। यात्रा में शामिल श्रद्धालु वृद्धावन, अयोध्या, काशी, चित्रकूट, प्रयागराज सहित देश के विभिन्न धार्मिक स्थलों का दर्शन एवं अवलोकन करेंगे। यह यात्रा करीब 10 दिन तक चलेगी और इसके उपरांत श्रद्धालु वापस फतेहाबाद स्थित योग दिव्या मंदिर पहुंचेंगे। यात्रा का प्रतिनिधित्व योगाचार्य कमरुवंद सरदाना ने किया।

ग्रीन फतेहाबाद-क्लीन फतेहाबाद का लिया संकल्प
फतेहाबाद। पर्यावरण और स्वच्छता के प्रति सामाजिक सहभागिता निभाते हुए सिटीजन वाटिका के सदस्यों ने ग्रीन फतेहाबाद-क्लीन फतेहाबाद के नारे को धरातल पर उतारने की दिशा में एक सरहानीय पहल की है। सदस्यों ने आज जीटी रोड स्थित पुलिस नाके के पास फुटपाथ पर विशेष सफाई अभियान चलाकर श्रमदान किया और क्षेत्र को स्वच्छ बनाने का संदेश दिया। सफाई अभियान के दौरान सदस्यों ने फुटपाथ से झाड़ू-झंखाड़ और बिखरे कचरे को हटाकर सफाई की। यह अभियान आगामी दो दिन और जारी रहेगा।

मजहबी सिख की नई जिला कार्यकारिणी गठित

रतिया। मजहबी सिख महासभा हरियाणा की जिला स्तरीय बैठक शहीद बाबा जीवन सिंह गुरुधर, रतिया में आयोजित की गई। हरदीप सिंह नाहर की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में संगठन का विस्तार करते हुए फतेहाबाद जिला की नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई। कार्यक्रम में मास्टर बलविंदर सिंह थेड़ी और प्रधान चरणजीत सिंह भट्टी मुख्य रूप से मौजूद रहे, जबकि मंच संचालन सोनी सिंह फौजी बलियालाल ने किया। बैठक के दौरान सर्वसम्मति से समाज सेवा में उल्लेखनीय योगदान के लिए जयचंदर ज्ञानी हाकम सिंह खुम्बरा को कौमी जय्येदार की उपाधि से नवाजा गया।

पोस्टर प्रतियोगिता में छात्रों ने दिखाई प्रतिभा
सिरसा। सीएमके नैशनल स्नातकोत्तर महाविद्यालय में साहित्यिक पोस्टर प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। विद्यार्थियों द्वारा तैयार किए गए ज्ञानवर्धक एवं आकर्षक पोस्टरों ने सभी का ध्यान आकर्षित किया प्रतियोगिता में एमए अंग्रेजी प्रथम सेमेस्टर की समता तथा बीए पंचम सेमेस्टर की वाणी ने संयुक्त रूप से प्रथम स्थान प्राप्त किया।

अंतर-महाविद्यालय टेबल टेनिस प्रतियोगिता में महिला कॉलेज की वीरपाल बनीं चैंपियन

रतिया। शहीद देवेन्द्र सिंह राजकीय महिला महाविद्यालय, रतिया में अंतर-महाविद्यालय टेबल टेनिस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में बीए द्वितीय वर्ष की छात्रा वीरपाल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए हरप्रीत को पराजित कर चैंपियन का खिताब अपने नाम किया। फाइनल मुकाबले में वीरपाल ने दोनों सेट अपने नाम किए। मुकाबले का स्कोर 11-9 एवं 12-10 रहा। तृतीय स्थान के लिए प्रवीण एवं सुशप्रीत के बीच मुकाबला हुआ, जिसमें बीए द्वितीय वर्ष की छात्रा प्रवीण ने जीत हासिल कर तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली खिलाड़ियों को डॉ. प्रीति मितल, सहायक प्रोफेसर, वाणिज्य विभाग तथा सुश्री दिव्या बेनीवाल, सहायक प्रोफेसर, वाणिज्य विभाग द्वारा पदक प्रदान किए गए। चैंपियनशिप ट्रॉफी विजेता वीरपाल को प्रो. अश्वनी रंजन, शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा प्रो. रिया, डॉ. स्वाति एवं सुश्री बिंदु की उपस्थिति में प्रदान की गई। इस अवसर पर प्रो. अश्वनी रंजन ने विद्यार्थियों को खेल एवं शारीरिक गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

हरिभूमि

आवश्यक सूचना

जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-

हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 8295154800, 9315429403, 9253681005

शनिवार को एक और मरीज की रिपोर्ट पॉजिटिव

स्वाइन फ्लू की दस्तक से बड़ी चिंता, मरीजों की संख्या 6 पहुंची



फतेहाबाद। नागरिक अस्पताल में बनाया गया आइसोलेशन वार्ड।

आई थी। बाद में महिला को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई थी। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने उसके घर पहुंचकर संक्रमण की स्थिति और संपर्कों की जानकारी भी जुटाई थी। इसके बाद जिले में लगातार संदिग्ध मरीज सामने आते रहे। नागरिक अस्पताल फतेहाबाद में भी खांसी, जुकाम और बुखार के मरीजों का संख्या बढ़ी है। सितंबर की शुरुआती मामलों में गोरखपुर निवासी 50 वर्षीय महिला में संक्रमण की पुष्टि हुई थी। फ्लू जैसे लक्षण दिखाई देने पर उसे हिसार के अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां जांच रिपोर्ट पॉजिटिव



फतेहाबाद। ग्रैंडपेरेंट्स-डे कार्यक्रम में भाग लेते विद्यार्थी व उनके ग्रैंडपेरेंट्स।

गैंडपेरेंट्स हमारे परिवार की विरासत और संस्कारों के संवाहक : महिमा तनेजा

फतेहाबाद। डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल में गैंडपेरेंट्स-डे बडे़ ही हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में नर्सरी और एल.के.जी.कक्षा के विद्यार्थियों ने अपने दादा-दादी के सम्मान में रंगारंग प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम की शुरुआत नर्सरी कक्षा के बच्चों द्वारा स्वागत नृत्य से की गई। नन्हें बच्चों की मनमोहक प्रस्तुति ने सभी दादा-दादी का दिल जीत लिया और समागार तालियों से गुंज उठा। इसके बाद एल.के.जी.कक्षा के बच्चों ने भी एक सुंदर समूह नृत्य प्रस्तुत किया, जिसे सभी ने खूब सराहा। बच्चों और उनके दादा-दादी के बीच आपसी प्रेम और जुड़ाव को और मजबूत करने के लिए कई मजेदार खेलों का भी आयोजन किया गया, जिसमें बैलून बैलेंसिंग, बिंदी चिपकाना सहित कई अन्य मनोरंजक गतिविधियां शामिल थीं। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थी की प्रधानाचार्या महिमा तनेजा ने सभी दादा-दादी का स्वागत किया और अपने संबोधन में कहा कि दादा-दादी परिवार की नींव होते हैं और उनके अनुभव व संस्कार बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित सभी अभिभावकों का आभार भी व्यक्त किया।

शहीद बाबा दीप सिंह शिक्षण कॉलेज में बीएड प्रथम वर्ष का परिणाम शानदार

हरिभूमि न्यूज़ >>> फतेहाबाद

चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय द्वारा बीएड प्रथम वर्ष का परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया गया है। शहीद बाबा दीप सिंह शिक्षण महाविद्यालय, अहरवां का परीक्षा परिणाम शानदार एवं गौरवपूर्ण रहा। महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अपनी मेहनत और शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिचय दिया। परिणाम के अनुसार निशिका ने 527 अंक प्राप्त कर महाविद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया।सिमरन ने 523 अंक के साथ द्वितीय स्थान प्राप्त किया, जबकी मनमीत कौर ने 495 अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान हासिल कर शानदार प्रदर्शन किया। महाविद्यालय के कुल



फतेहाबाद। दीप सिंह शिक्षण महाविद्यालय में अव्वल रही छात्राएं।

100 विद्यार्थियों के परीक्षा परिणामों आधे से अधिक विद्यार्थियों ने 60 प्रतिशत या इससे अधिक अंक प्राप्त किए। संस्था के संरक्षक डॉ. वीरेंद्र सिवाच ने शानदार परीक्षा परिणाम के लिए सभी सफल विद्यार्थियों, उनके अभिभावकों एवं शिक्षकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की मेहनत, शिक्षकों के समर्पित प्रयास तथा महाविद्यालय के अनुशासित एवं

सकारात्मक शैक्षणिक वातावरण के कारण यह उपलब्धि हासिल हुई है। उन्होंने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर कॉलेज चेयरपर्सन शरणजीत कौर ने भी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि महाविद्यालय विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ उनके सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है।

करीब 296 साल पहले खेजड़ी के पेड़ों को बचाने के लिए 363 लोगों ने अपने सिर कटवा दिए थे। उसी बलिदान की याद को फतेहाबाद में अब पौधों के जरिए जिंदा रखने की पहल शुरू हुई है। राजस्थान के जोधपुर के खेजड़जी गांव के पर्यावरण शहीदों की स्मृति में जागो संस्था ने 363 पौधे लगाने का अभियान शुरू किया है। 21 सितंबर

चिकित्सक की सलाह
नागरिक अस्पताल के टीबी एवं छाती रोग विशेषज्ञ डॉ. मनीष टुटेजा के अनुसार खांसेत या छींकते समय मुंह और नाक को दकना चाहिए। साबुन और पानी से नियमित रूप से हाथ धोएं तथा बिना हाथ धोए आंख, नाक और मुंह को छूने से बचें। संक्रमित या बीमार व्यक्ति के साथ नजदीकी संपर्क से बचना चाहिए। लक्षण दिखाई देने पर घर पर आराम करने के साथ चिकित्सकीय सलाह लेना जरूरी है। भीड़भाड़ वाली जगहों पर जरूरत के अनुसार मास्क का इस्तेमाल भी संक्रमण के प्रसार को कम करने में मदद कर सकता है।

ये हैं स्वाइन फ्लू के प्रमुख लक्षण
स्वाइन फ्लू में आमतौर पर तेज बुखार, खांसी, गले में खराश, नाक बहना या बंद होना, सिरदर्द, शरीर में दर्द और अत्यधिक थकान जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं। कुछ मरीजों में उल्टी या दस्त की शिकायत भी हो सकती है। सांस लेने में परेशानी, सीने में दर्द या हालत तेजी से बिगड़ने पर तत्काल चिकित्सकीय सहायता लेनी चाहिए। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के अनुसार संदिग्ध मरीजों की जांच कराई जा रही है और विभाग के पास स्वाइन फ्लू से संबंधित दवाइयों का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। विभाग की ओर से लोगों से अपील की गई है कि घबराने के बजाय सावधानी बरते और लक्षण दिखाई देने पर समय पर जांच व उपचार कराएं।

लार्ड शिवा स्कूल आफ नर्सिंग के विदाई समारोह में हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम

- जीएनएम की अंबिका ने जीता मिस फेयरवेल का खिताब

हरिभूमि न्यूज़ >>> सिरसा

लार्ड शिवा स्कूल आफ नर्सिंग में जीएनएम एवं एएनएम की अंतिम वर्ष की छात्राओं के लिए विदाई समारोह आगाज ए अवलिद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। लार्ड शिवा संस्थान के महानिदेशक देश कमल बिश्रोई ने जीएनएम अंतिम वर्ष की छात्राओं को उनके सफलता पूर्वक कोर्स करने पर बधाई दी और कहा कि उन्हें भविष्य में सदैव मेहनत करते रहना चाहिए क्योंकि कड़ी मेहनत ही विद्यार्थी को आगे बढ़ में सहायता करती है।

नौसम बदलते ही सांस संबंधी संक्रमण का खतरा

विशेषज्ञों के अनुसार नौसम में बदलाव के साथ वायरल और सांस संबंधी संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। अस्थमा, सांस की पुरानी बीमारी, हृदय रोग और मधुमेह से पीड़ित लोगों के अलावा बुजुर्गों और कमजोर रोग प्रतिरोधक क्षमता वाले लोगों को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। चिकित्सकों ने बुखार, खांसी, गले में खराश या सांस लेने में परेशानी जैसे लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करने की सलाह दी है।

फतेहाबाद जिले में डेंगू का संक्रमण लगातार पैर पसार रहा है। शनिवार को मानावाली गांव में डेंगू का एक और मरीज मिलने के बाद जिले में इस सीजन में डेंगू पॉजिटिव मरीजों की संख्या 7 हो गई है। नया मरीज निजी अस्पताल में उपचाराधीन है और उसकी हालत स्थिर बताई गई है। स्वास्थ्य विभाग अब तक डेंगू की जांच के लिए 350 सैंपल ले चुका है। शुक्रवार को ही 29 सैंपल लिए गए थे। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार जिले में मिले सात मरीजों में से एक का उपचार सरकारी अस्पताल और छह का उपचार निजी अस्पतालों में हुआ। राहत की बात यह है कि सभी मरीज अब अस्पतालों से डिस्चार्ज हो चुके हैं। बावजूद इसके जिले में डेंगू का संक्रमण बढ़ने से स्वास्थ्य विभाग की चिंता बढ़ गई है।

लार्ड शिवा स्कूल आफ नर्सिंग के विदाई समारोह में हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम



सिरसा। विभिन्न खिताबों से नवाजे गए विद्यार्थी।

उन्होंने छात्राओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि सभी छात्राओं को अनुशासन में रहते हुए पूर्ण निष्ठा और सेवा भाव के साथ मानवता की सेवा करनी चाहिए। कालेज प्रवक्ता विष्णु शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम में मिस फेयरवेल का खिताब जीएनएम की मिस प्रिती व एएनएम की पूजा को मिला। कार्यक्रम के दौरान नर्सिंग छात्राओं ने हरियाणवी, राजस्थानी व पंजाबी गीतों पर सांस्कृतिक झलकियां प्रस्तुत कीं।

आपात परिस्थितियों में प्राथमिक चिकित्सा और जीवन रक्षा तकनीकों को समझाया

फतेहाबाद। मनोहर मेमोरियल कॉलेज ऑफ एजुकेशन, फतेहाबाद में जिला रेड क्रॉस सोसाइटी, फतेहाबाद एवं कॉलेज के रेड क्रॉस क्लब के संयुक्त तत्वावधान में 'विश्व प्राथमिक चिकित्सा दिवस' पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मुख्य अतिथि व वक्ताओं ने विद्यार्थियों को आपातकालीन परिस्थितियों में प्राथमिक चिकित्सा और जीवन रक्षा तकनीकों की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में मुख्यअतिथि के तौर पर जिला रेड क्रॉस सोसाइटी फतेहाबाद के डिप्टी सुपरीटेंट सुरेंद्र चुप ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत में कॉलेज की प्राचार्या डॉ. जनक रानी एवं प्राचार्या डॉ. गुंजन बजाज ने मुख्य अतिथियों का पौधा भेंट कर स्वागत किया। कार्यशाला को संबोधित करते हुए जिला प्रशिक्षण अधिकारी दलबीर सिंह ने विद्यार्थियों को दुर्घटना या किसी भी आकस्मिक स्वास्थ्य संकट के दौरान दी जाने वाली त्वरित चिकित्सीय सहायता के बारे में विस्तारपूर्वक समझाया।



फतेहाबाद। विद्यार्थियों को प्राथमिक चिकित्सा बारे जानकारी देते विशेषज्ञ।

जागो संस्था बोली, पेड़ बचाने के लिए सिर कटवा दिए, अब पौधों को मरने नहीं देंगे

खेजड़ी के पर्यावरण बलिदान को जिंदा रखने का संकल्प



फतेहाबाद। पर्यावरण शहीदों की याद में पौधारोपण करते जागो संस्था के सदस्य।

तक चलने वाले इस अभियान में जिले के अलग-अलग स्थानों पर पौधे लगाए जाएंगे और संस्था ने इनकी देखभाल की जिम्मेदारी भी उठाई है। अभियान की शुरुआत शहीद स्मारक पार्क से की गई। यहां संस्था सदस्यों ने खेजड़ी, नीम,

पीपल, बड़, गुलमोहर, जरकंडा, बृगनवेल और सहजन के पौधे रोपे। पौधे लगाने के साथ ही उनके संरक्षण का संकल्प लिया गया। संस्था का कहना है कि यह केवल पौधरोपण अभियान नहीं, बल्कि खेजड़ली के उन 363 लोगों को श्रद्धांजलि है,

मानावाली में मिला नया मरीज, लारवा मिलने पर जारी हुए नोटिस

फतेहाबाद में डेंगू के केस बढ़कर हुए 7, अब तक 350 सैंपल जांचे

सभी संक्रमित अब अस्पतालों से डिस्चार्ज; शहर में फॉगिंग नहीं होने से बड़ी चिंता

हरिभूमि न्यूज़ >>> फतेहाबाद

फतेहाबाद जिले में डेंगू का संक्रमण लगातार पैर पसार रहा है। शनिवार को मानावाली गांव में डेंगू का एक और मरीज मिलने के बाद जिले में इस सीजन में डेंगू पॉजिटिव मरीजों की संख्या 7 हो गई है। नया मरीज निजी अस्पताल में उपचाराधीन है और उसकी हालत स्थिर बताई गई है। स्वास्थ्य विभाग अब तक डेंगू की जांच के लिए 350 सैंपल ले चुका है। शुक्रवार को ही 29 सैंपल लिए गए थे। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार जिले में मिले सात मरीजों में से एक का उपचार सरकारी अस्पताल और छह का उपचार निजी अस्पतालों में हुआ। राहत की बात यह है कि सभी मरीज अब अस्पतालों से डिस्चार्ज हो चुके हैं। बावजूद इसके जिले में डेंगू का संक्रमण बढ़ने से स्वास्थ्य विभाग की चिंता बढ़ गई है।

डेंगू से बचाव के लिए ये करें

- सप्ताह में एक बार कूलर, फूलदान, पशु और पक्षियों के पानी के बर्तन एक बार अवश्य खाली करें।
- कूलर उपयोग में न आए तो रगड़ कर सुखा कर रख दें।
- छतों पर रखी पानी की टंकियों ढक्कन लगाकर बंद कर दें।
- शरीर को ढक्कन रखें और मच्छर रोधी दवा या क्रीम का उपयोग करें।
- सोते समय मच्छरदांजी का प्रयोग करें।
- बुखार होने पर डॉक्टर की सलाह से उपचार लें।

हर माह 15 तारीख तक चलता है अभियान

डेंगू की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य विभाग की ओर से जिले में घर-घर सर्वे किया जा रहा है। हर माह 1 से 15 तारीख तक चलने वाले अभियान के दौरान स्वास्थ्य कर्मचारियों द्वारा मच्छरों के प्रजनन स्थलों की जांच की जा रही है। विभाग के अनुसार अब तक जांच के दौरान 18 प्रतिशत की दर से लारवा मिला है। लारवा मिलने वाले स्थानों पर कार्रवाई करते हुए अब तक 112 लोगों को नोटिस जारी किए जा चुके हैं। स्वास्थ्य विभाग की ओर से लोगों को घरों के आसपास पानी जमा नहीं होने देने और कूलर, टंकियों, गमलों समेत पानी जमा होने वाले स्थानों की नियमित सफाई करने की अपील की जा रही है। डेंगू के बढ़ते खतरे को देखते हुए जिले के सरकारी अस्पतालों में मरीजों के

शहर में फॉगिंग नहीं, कचरे के बीच डेंगू का खतरा

एक तरफ डेंगू के मामले लगातार सामने आ रहे हैं और स्वास्थ्य विभाग लारवा मिलने पर लोगों को नोटिस जारी कर रहा है, वहीं दूसरी तरफ शहर में फॉगिंग नहीं होने से मच्छरों की रोकथाम पर सवाल खड़े हो रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग ने शहर में फॉगिंग की जिम्मेदारी नगर परिषद को दी हुई है, लेकिन नगर परिषद की ओर से अभी तक नियमित फॉगिंग शुरू नहीं की गई है। नगरपालिका कर्मचारियों की हड़ताल के कारण शहर में जगह-जगह कचरा जमा है। ऐसे में मच्छरों के पनपने की आशंका और बढ़ गई है। पिछले वर्षों में नगर परिषद की ओर से फॉगिंग के साथ-साथ कचरा उठाने वाले टिप्पर वाहनों से जागरूकता अभियान भी चलाया जाता था, लेकिन इस बार डेंगू

घरों व आसपास पानी इकट्ठा न होने दें : डॉ. मितल

डेंगू को लेकर स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह से गंभीर है। डोर टू डोर सर्वे करवाया जा रहा है और जहां भी लारवा मिल रहा है उसे नष्ट किया जा रहा है। लोगों से भी अपील है कि घरी व आसपास पानी इकट्ठा न होने दें। जिन स्थानों पर लारवा मिल रहे हैं, उन लोगों को नोटिस भी जारी किए जा रहे हैं।

- डॉ. विष्णु मितल, जिला महामारी रोकथाम विशेषज्ञ

डेंगू से बचाव के लिए ये करें	यह सावधानियां बरतें
■ सप्ताह में एक बार कूलर, फूलदान, पशु और पक्षियों के पानी के बर्तन एक बार अवश्य खाली करें।	■ अपने घर व कार्यालय के आसपास पानी जमा न होने दें। पानी से भरे गड्ढों में मिट्टी भर दें।
■ कूलर उपयोग में न आए तो रगड़ कर सुखा कर रख दें।	■ घर की छत पर व आसपास टायर, ट्यूब, खाली डिब्बे, पॉलीथिन के लिफाफे खुले न में फेंके।
■ छतों पर रखी पानी की टंकियों ढक्कन लगाकर बंद कर दें।	■ हैड पंप व जल के आसपास पानी जमा न होने दें।
■ शरीर को ढक्कन रखें और मच्छर रोधी दवा या क्रीम का उपयोग करें।	■ यदि कूलर उपयोग में नहीं आ रहा है तो उसमें पानी इकट्ठा होने दें।
■ सोते समय मच्छरदांजी का प्रयोग करें।	■ खुद दवा न खाएं। एसप्रिन, बूखीन दवाइयों का सेवन न करें।
■ बुखार होने पर डॉक्टर की सलाह से उपचार लें।	

न्यूज़ डायरी

हेरोइन बरामदगी मामले में पांचवां आरोपी काबू
फतेहाबाद। नशा तस्करो के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस चौकी गुरुनानकपुरा फतेहाबाद की टीम ने 101.63 ग्राम हेरोइन बरामदगी मामले में कार्रवाई करते हुए पांचवां आरोपी सुरिन्दर उर्फ विकी पुत्र गिरधारी लाल निवासी मोगा को गिरफ्तार किया है। इस मामले में पुलिस अब तक कुल पांच आरोपियों को सलाखों के पीछे भेज चुकी है। चौकी प्रमारी उप निरीक्षक रजत ने बताया कि पुलिस टीम ने एक जुलाई 2026 को रतिया रोड क्षेत्र में नाकाबंदी के दौरान भाटिया कॉलोनी निवासी मुख्य आरोपी रोहित को 101.63 ग्राम हेरोइन के साथ काबू किया था। इस संबंध में थाना शहर

डोडा पोस्ट में तीसरा आरोपी गिरफ्तार
फतेहाबाद। पुलिस चौकी कुलां की टीम ने 1 किलो 208 ग्राम कचरा डोडा पोस्ट बरामदगी के मामले में कार्रवाई को आगे बढ़ाते हुए तीसरे आरोपी सुभाष पुत्र रामेश्वर निवासी घोटडू को गिरफ्तार किया है। इस मामले में पुलिस द्वारा अब तक कुल तीन आरोपियों को पकड़ा जा चुका है। चौकी प्रमारी एसएसआई कश्मीर सिंह ने बताया कि 3 सितंबर 2026 को पुलिस टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर कुला स्थित राजकीय मॉडल संस्कृत प्राइमरी स्कूल के पास नाकाबंदी कर फिरोझा निवासी मुख्य आरोपी जगदीश उर्फ जग्गा को 1 किलो 208 ग्राम कचरा डोडा पोस्ट के साथ गिरफ्तार किया था।

लापता महिला को सकुशल किया बरामद

फतेहाबाद। पुलिस चौकी कुलां की टीम ने कार्रवाई करते हुए घर पर बिना बताए लापता हुई एक महिला को सकुशल बरामद कर लिया है। पुलिस के अनुसार गांव कण्ठडी निवासी एक व्यक्ति ने 8 सितंबर को पुलिस चौकी कुलां में शिकायत देकर बताया था कि उसकी पत्नी 7 सितंबर को करीब साढ़े 11 बजे घर से बिना बताए कहीं चली गई थी। परिजनों द्वारा अपने स्तर पर रिश्तेदारी व अन्य संगमिति स्थानों पर तलाश करने के बावजूद उसका कोई पता नहीं चल पाया था। शिकायत की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए इस संबंध में थाना सदर टोहाना में मामला दर्ज कर महिला की तलाश शुरू की।

विशेष अभियान के तहत बूथों का औचक निरीक्षण
सिरसा। मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत 12 एवं 13 सितंबर तथा 26 एवं 27 सितंबर को विशेष अभियान दिवस निर्धारित किए गए हैं। इन दिनों सभी संबंधित बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) अपने-अपने बूथों पर प्रातः 9 बजे से सायं 5 बजे तक उपस्थित रहकर मतदाता सूची से संबंधित कार्य करेंगे।

हिंदी पखवाड़े के तहत छात्रों को किया जागरूक
ओढ़ा। पौषमा श्री जवाहर नवोदय विद्यालय ओढ़ा में हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत 'राजमाषा हिंदी अधिनियम से व्यवहार तक' विषय पर हिंदी कार्यशाला तथा विद्यालय के समस्त कर्मचारियों के लिए सामान्य हिंदी ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य कर्मचारियों को राजमाषा हिंदी के संवैधानिक प्राधान्यों, राजमाषा अधिनियम एवं कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के प्रभावी एवं व्यवहारिक प्रयोग के प्रति जागरूक करना रहा। कार्यशाला में प्रस्तुतकर्ता महेंद्र कुमार बैरवा, राजमाषा प्रमारी ने राजमाषा हिंदी के संवैधानिक प्राधान्यों, राजमाषा अधिनियम, राजमाषा नियमों तथा सरकारी कार्यालयों में हिंदी के प्रयोग से संबंधित महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि राजमाषा हिंदी का उद्देश्य केवल कार्यालयी अपभारिकाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि इसे दैनिक कार्य-व्यवहार का सहज एवं प्रभावी माध्यम बनाना भी आवश्यक है।

जागो संस्था बोली, पेड़ बचाने के लिए सिर कटवा दिए, अब पौधों को मरने नहीं देंगे

खेजड़ी के पर्यावरण बलिदान को जिंदा रखने का संकल्प

अब सरकार से भी सवाल- सिर्फ दिवस घोषित
जागो संस्था के सदस्यों ने सरकार के रवये पर सवाल उठाते हुए कहा कि 11 सितंबर को राष्ट्रीय वन शहीद दिवस घोषित कर देना ही पर्याप्त नहीं है। इस दिन सरकारी स्तर पर बड़े कार्यक्रम होने चाहिए और बच्चों को खेजड़ली के बलिदान से जोड़ना चाहिए। संस्था ने मांग की कि स्कूलों में निबंध, भाषण और पर्यावरण जागरूकता प्रतियोगिताएं करवाई जाएं।

माद्रपद शुक्ल दशमी को हो वन शहीद दिवस

संस्था ने सरकार के सामने एक और महत्वपूर्ण मांग रखी है। पदाधिकारियों ने कहा कि राष्ट्रीय वन शहीद दिवस 11 सितंबर के बजाय माद्रपद शुक्ल दशमी को मनाया जाना चाहिए। उनका तर्क है कि खेजड़ली में पर्यावरण शहीदों की स्मृति में हर साल इसी तिथि को विशाल मेला आयोजित होता है। इस बार खेजड़ली में यह आयोजन 21 सितंबर को होगा।

सैनिक खेजड़ली गांव में लकड़ी के लिए खेजड़ी के पेड़ काटने पहुंचे थे। बिस्नेई समाज के लोगों ने इसका विरोध किया। अमृता देवी के नेतृत्व में लोग पेड़ों से लिपट गए।

पेड़ों को बचाने के लिए शुरू हुआ यह विरोध इतना बड़ा बलिदान बन गया कि 363 लोगों ने अपने प्राण दे दिए। लोगों ने पेड़ों को बचाने के लिए अपने सिर कटवा दिए।



आवरण कथा
यामिनी गजानन रामपल्लीवार

भाषा और संस्कृति का रिश्ता कोई ऊपरी बंधन मात्र नहीं होता, वह जड़ और वृक्ष का रिश्ता होता है। हिंदी के संदर्भ में यह बात और भी गहरे अर्थ रखती है, क्योंकि हिंदी केवल संवाद का माध्यम नहीं, हिंदुस्तान की सांस्कृतिक पहचान का जीवंत प्रमाण है। इसकी जड़ें संस्कृत जैसी वैज्ञानिक और अनुशासित भाषा में हैं, जिसने भोजपुरी, अवधी और ब्रज जैसी सैकड़ों बोलियों को अपनी सुंदर शाखाओं की तरह जन्म दिया। यह विस्तार किसी एक भाषा की सीमा नहीं, बल्कि एक पूरे उपमहाद्वीप की सांस्कृतिक चेतना का फैलाव है।

भाषा से जुड़ी देश की पहचान

14 सितंबर को जब हम हिंदी दिवस मनाते हैं, तो यह अवसर केवल एक तिथि का उत्सव नहीं होना चाहिए। यह अवसर रुककर यह सोचने का भी हो कि हमने इस भाषा को कितना जिया है और कितना केवल औपचारिकता में समेट दिया है? इतिहास गवाह है कि जब कवि इकबाल ने लिखा था, 'हिंदी हैं हम, वतन है हिंदोस्त' हमारा।' तब उन्होंने भाषा और राष्ट्र की पहचान को एक ही सांस में बांध दिया था। उनकी यह पंक्ति आज भी उतनी ही सार्थक है, क्योंकि जिस भाषा की पहचान हिंद महासागर के तट से लेकर हिमालय की चोटियों तक फैली हो, वह भाषा किसी परिचय की मोहताज नहीं।

शब्दों में सदियों की साधना

हिंदी का यह वैभव किसी एक कवि या रचनाकार की देन नहीं, बल्कि सदियों की साधना का परिणाम है। तुलसी ने इसे भक्ति की मिठास दी, सूर ने इसमें वात्सल्य का रस घोला, कबीर ने इसे सीधी और निर्भीक वाणी दी और निराला ने इसमें विद्रोह और नवीनता का स्वर भरा। इन सबने मिलकर हिंदी को वह समृद्धि दी, जो आज भी हर हिंदुस्तानी की रग-रग में बहती है। यही कारण है कि हिंदी को केवल एक भाषा कहना उसके साथ अन्याय होगा, वह तो भावनाओं की वह साझी विरासत है, जिसमें देश की विविधता खुद को सहज पाती है।



कविता
अलका 'सोनी'

जन-मन में बसती है हिंदी

किताबों के पन्नों पर पढ़े जाने से पहले, भाषणों में, कहीं सुने जाने से पहले, गूंजी थी वो मेरे कानों में। जैसे गूंजी थी अभिमान्यु के कानों में चक्रव्यूह भेदने की कला। फिर अकसर गूंजती री सैरी दो, मां की आवाज में। लोरी में, और पिता की डांट में छिपे दुलार में भी। और उनके कई अनकहे भय के बीच, लैसला देने वाले संसार में भी। उसने तब भी गले लगाया था मुझे जब मैं नहीं जानती थी उसके व्याकरण का कोई नियम। क्योंकि यह उसके और मेरे बीच के

उन रिश्तों की गर्माहट है, जिन्हें परिभाषित नहीं कर सकता कोई शब्दकोश। वो मेरे आंगन में बिखरी सुबह की धूप है। सर पर बनी रहने वाली, ममता की छांव है। दादी की कलनी में हर बार आता हुआ कोई पुराना गांव है। वो और कोई नहीं मेरी हिंदी है। जिसमें बसी है कबीर की निर्भीकता, तुलसी की लोक-गंध की खुशबू प्रेमचंद के पागों का संघर्ष, महादेवी की करुणा, और निराला की विद्रोही चेतना। क्योंकि मेरी हिंदी ने बनाया है राजमहलों से अधिक जन-मन में अपना घर।

विशेष: हिंदी दिवस, 14 सितंबर

हर साल 14 सितंबर के आस-पास सरकारी दफ्तरों में हिंदी पखवाड़ा शुरू होता है, मंचों से हिंदी की महिमा गाई जाती है और अपनी भाषा पर गर्व करने की बातें होती हैं। लेकिन इन औपचारिकताओं से आगे बढ़कर हमें यह सवाल भी पूछना चाहिए कि क्या हम अपनी रोजमर्रा के जीवन में हिंदी को सचमुच सम्मान देते हैं? उससे प्यार करते हैं?

हमारे हिंदुस्तान की आत्मा है हिंदी

समावेशी भाषा है हिंदी

यह भी ध्यान रखना जरूरी है कि हिंदी की श्रेष्ठता का यह अर्थ कभी नहीं कि अन्य भाषाओं या बोलियों को कमतर आंका जाए। हिंदी का असली गौरव इसी में रहा है कि उसने सदा दूसरी भाषाओं और बोलियों को अपनाया, उनसे शब्द लिए और उन्हें भी फलने-फूलने का अवसर दिया। भोजपुरी, अवधी, ब्रज, मैथिली और राजस्थानी जैसी बोलियां हिंदी की प्रतिद्वंद्वी नहीं, उसकी शक्ति हैं। इसी समावेशी स्वभाव के कारण हिंदी हर हिंदुस्तानी के मन में अपना स्थान बना पाई है।

कहां हैं झिझक की जड़ें

यह विदंबना ही है कि आज कुछ लोगों को हिंदी बोलते हुए झिझक या कमतरी का एहसास होता है। यह झिझक कहां से आती है, इस पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। बड़े शहरों के कॉर्पोरेट कार्यालयों में, महानगरों की पार्टियों में और यहां तक कि कुछ शिक्षित परिवारों में भी हिंदी बोलने को पिछड़ेपन से जोड़कर देखा जाने लगा है। अंग्रेजी में दक्षता आवश्यक है, इसमें कोई संदेह नहीं, क्योंकि वह आज वैश्विक संपर्क की भाषा बन चुकी है। परंतु किसी दूसरी भाषा को



सीखने और अपनी भाषा को त्यागने में बुनियादी अंतर है। जब यह अंतर धुंधला पड़ने लगता है, तभी भाषा का यह संकट जन्म लेता है। बरसों पहले मेरे एक पारिवारिक समारोह में एक किशोर अपनी दादी से अंग्रेजी में बात करने की कोशिश करने लगा, टूटे-फूटे शब्दों में, केवल इसलिए कि साथ बैठे उसके अंग्रेजी-माध्यम के मित्र उसे 'देसी' न समझें। दादी ठहरकर मुसकुराई और बोलीं, 'बेटा, जिस भाषा में मैंने तुझे कहानियां सुनाईं, उसी में बात कर, शर्म किस बात की?' उस किशोर की दादी के एक वाक्य ने पूरा वातावरण बदल दिया। गहराई से सोचें तो स्पष्ट होता है, वह झिझक केवल उस बच्चे की नहीं थी, वह उस पूरी पीढ़ी की झिझक थी, जिसे यह सिखाया गया कि तरक्की अंग्रेजी की जुबान से होकर गुजरती है और अपनी भाषा पीछे छूट जाने वाली चीज है। यह संकट केवल

की जा सकती, उसी तरह अपनी भाषा से कटकर अपनी सांस्कृतिक पहचान को जीवंत रखने की कल्पना भी अधूरी रह जाती है। यह प्रवृत्ति बदलनी चाहिए और इसके लिए किसी बड़े आंदोलन की नहीं, बल्कि छोटे-छोटे व्यावहारिक प्रयासों की आवश्यकता है। घर के भीतर बच्चों से हिंदी में बात करना, कार्यस्थल पर जहां संभव हो वहां हिंदी को सहजता से अपनाना, हिंदी साहित्य को केवल पाठ्यक्रम की मजबूरी न मानकर आनंद के लिए साहित्यिक किताबें पढ़ना, ऐसे ही अनेक छोटे-छोटे प्रयास मिलकर बड़ा परिवर्तन ला सकते हैं।

संकल्प लेने का दिन हिंदी दिवस

आज जब हिंदी दिवस के अवसर पर सरकारी कार्यालयों में औपचारिक समारोह होंगे, भाषणों में हिंदी की महिमा गाई जाएगी, तब यह प्रश्न स्वयं से पूछना जरूरी है कि क्या हमने इस भाषा को अपने दैनिक जीवन में उतना सम्मान दिया, जितना वह हकदार है। हिंदी को बचाने की जिम्मेदारी किसी एक दिन या किसी एक विभाग की नहीं, बल्कि हर उस व्यक्ति की है, जो इसे अपनी भाषा मानता है। हिंदी दिवस केवल स्मरण का दिन नहीं, संकल्प का दिन बने, यही आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। जब तक हम अपनी भाषा बोलने में गर्व का अनुभव नहीं करेंगे, तब तक उसकी समृद्ध विरासत आगे नहीं बढ़ पाएगी। इसलिए आइए, इस हिंदी दिवस पर केवल उत्सव नहीं, आत्मनिरीक्षण भी करें और अपनी भाषा को उसका वास्तविक सम्मान लोटाएं। *

लंग्य / गोविंद भारद्वाज

सरकार जब नई आती है तो रुतबा जमाने के लिए और आमजन में भरोसा कायम करने के लिए यह आदर्श वाक्य दोहराती है कि हमारी सरकार में कोई गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं होगी। लेकिन धीरे-धीरे जाए-जाए तरीके से गड़बड़ी आरंभ हो जाती है।

गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं



लुटेरों, बदमाशों, उठाईगीरों या जमाखोरों, भ्रष्टाचारियों, रिश्ततखोरों, बलात्कारियों या मिलावटखोरों के लिए चेतावनी दी गई या आम नागरिकों के लिए। खैर यह जुमला असरदार हो न हो पर लोगों को दिलासा दिलाए रखने के लिए कहना जरूरी है। हालांकि गड़बड़ी करता कौन है, ये विषय शोध का है। *

परीक्षा

हो जाया करती थी। ऐसे में उन्हें दो दिनों तक पूरा आराम करना पड़ता था। ट्रेन ने रात के एक बजे अंबाला पहुंचना था। मुझे डर लग रहा था कि सर्दी की ठिठुरती रात में इस समय मैं पापा को संभाले हुए सुरक्षित घर तक कैसे पहुंचूंगी? घर से स्टेशन पर किसी को बुलाया भी नहीं जा सकता था। न मम्मी को और न छोटी बहन को। अंबाला के प्लेटफॉर्म पर ट्रेन रुकी तो मैंने सहारा देकर पापा को डिब्बे से नीचे उतारा। फिर सहारा देकर उन्हें स्टेशन से बाहर ले आई। पापा निकले से थे।

स्टेशन के बाहर पांच-सात ऑटो-रिक्षा खड़े थे, जिनके ड्राइवर कपड़े से मुह, सिर ढंके स्टेशन से बाहर आती सवारियों से उनके गंतव्य के बारे में पूछ रहे थे। ऐसे किसी ड्राइवर से बात करने में भी मुझे डर लग रहा था। तभी न जाने कैसे मुझमें इतनी हिम्मत आ गई कि एक ड्राइवर को मैंने बड़ी आत्मविश्वास भरी रीबदार आवाज में शंकर नगर चलने के लिए कहा और पापा के साथ ऑटो-रिक्षा में बैठ गई। मुझे लगा पुलिस इम्पेक्टर की परीक्षा से पहले ही असली परीक्षा मैंने पास कर ली है। *

-हरिश कुमार 'अमित'

विशेष: गणेश चतुर्थी

परंपरा-आस्था का संगम महापर्व गणेशोत्सव



सांस्कृतिक पर्व / शिखर चंद जैन

गणेश चतुर्थी का त्योहार भारतीय जनमानस के हृदय में अत्यंत पवित्र स्थान रखता है। यद्यपि भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी (14 सितंबर) को विघ्नहर्ता भगवान श्री गणेश की स्थापना और अनंत चतुर्दशी को उनके विसर्जन का दृश्य हर वर्ष भारत के कोने-कोने में दिखाई देता है, परंतु इस महापर्व के कई ऐसे पहलू हैं, जो बहुधा लोकस्मृति या सामान्य वार्ताओं से परे छूट जाते हैं। यह उत्सव केवल धार्मिक कर्मकांड, ढोल-नगाड़ों और सुंदर झांकियों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके मूल में राजनीति, समाज, प्राचीन भूगोल, खगोल विज्ञान और पर्यावरण संरक्षण की गहरी जड़ें जुड़ी हुई हैं। गणेश चतुर्थी भारत की उस अमर सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक है, जो अध्यात्म को समाज सेवा से, इतिहास को भविष्य की सोच से और धर्म को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ती है।

तिलक की दूरदर्शी सामाजिक पहल: गणेश चतुर्थी का इतिहास अत्यंत प्राचीन है और 18वीं शताब्दी में पेशवाओं के काल में इसे पुणे में राज्योत्सव के रूप में मनाया जाता था। आधुनिक भारत में इसका स्वरूप पूरी तरह से बदलने का श्रेय लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक को जाता है। वर्ष 1893 में तिलक ने इसे निजी गृह-पूजा के बंद कमरों से निकालकर 'सार्वजनिक गणेशोत्सव' का रूप दिया। ब्रिटिश हुकूमत के दौर में 'वर्नाकुलर प्रेस एक्ट' और अन्य कठोर कानूनों के कारण भारतीयों के लिए राजनीतिक सभाएं करना या सामाजिक मुद्दों पर एकत्र होना पूरी तरह प्रतिबंधित था। तिलक ने भांप लिया कि अंग्रेज शासक धार्मिक सम्मेलनों में सीधे हस्तक्षेप करने से डरते हैं। अतः उन्होंने गणेशोत्सव को एक सांस्कृतिक और सामाजिक मंच बनाया। पंडालों में स्वतंत्रता संग्राम के विचारों, स्वदेशी आंदोलनों और समाज सुधारों पर चर्चा होने लगी। इस प्रकार, एक धार्मिक उत्सव औपनिवेशिक सत्ता के खिलाफ जनक्रांति का प्रतीक बन गया।

जल निकायों का वैज्ञानिक कायाकल्प:

गणेश चतुर्थी से आरंभ होने वाला गणेशोत्सव केवल धार्मिक पर्व नहीं है। इसकी जड़ें भारत की परंपरा, इतिहास और संस्कृति से भी जुड़ी हैं। इस पर्व का आरंभ सामाजिक समारोहों के रूप में कब और कैसे हुआ, आप जरूर जानना चाहेंगे।

आधुनिक समय में विसर्जन के कारण होने वाले जल प्रदूषण पर चिंता व्यक्त की जाती है, लेकिन पुराने दौर में गणेश प्रतिमा का निर्माण और उसका जल-विसर्जन एक अत्यंत वैज्ञानिक और पर्यावरणीय प्रक्रिया थी। पारंपरिक रूप से, गणेश प्रतिमाएं केवल शुद्ध चिकनी मिट्टी (शाड़ू माटी) से बनाई जाती थीं। इसमें हल्दी, चंदन, भस्म और कुमकुम का लेप किया जाता था। मानसून के अंत में जब नदियां और तालाब नए पानी से भर जाते थे, तब इन मिट्टी की मूर्तियों को जल में विसर्जित किया जाता था। मिट्टी, जल निकायों के समृद्ध करती थी, जबकि हल्दी और चंदन प्राकृतिक एंटीसेप्टिक तथा जीवाणुरोधक के रूप में पानी को शुद्ध करते थे। यह प्राचीन परंपरा वास्तव में वर्षा ऋतु के बाद जल स्रोतों के वैज्ञानिक कायाकल्प का माध्यम थी।

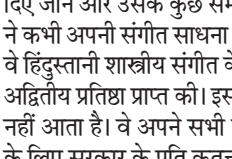
मोदक का औषधीय महत्व: गणेश जी को 'मोदक प्रिय' कहा जाता है, लेकिन मोदक केवल एक स्वादिष्ट मिठाई नहीं है। इसका निर्माण आयुर्वेद के सिद्धांतों पर आधारित है। पारंपरिक रूप से भाद्रपद (सितंबर) के महीने में उकड़ीचे मोदक (भाप में पके हुए मोदक) बनाए जाते हैं। मानसून के खत्म होने और शरद ऋतु के आगमन के समय शरीर में 'पित्त' दोष बढ़ने की संभावना होती है। मोदक के बाहरी आवरण में चावल का आटा और अंदर गुड़, ताजा कसा हुआ नारियल, जायफल और इलायची का मिश्रण होता है, जिसे शुद्ध देशी घी के साथ परोसा जाता है। नारियल और गुड़ पेट की अग्नि को शांत करते हैं और पाचन तंत्र को दुरुस्त रखते हैं। इस तरह मोदक का भोग ऋतु परिवर्तन के दौरान स्वास्थ्य की रक्षा करने वाला एक आयुर्वेदिक आहार है।

समृद्ध करे सांस्कृतिक परिदृश्य: भारत के कला और सांस्कृतिक परिदृश्य को समृद्ध करने में गणेशोत्सव ने एक 'अदृश्य अकादमी' के रूप में भूमिका निभाई है। 10 दिनों तक चलने वाले इस उत्सव में सार्वजनिक पंडालों द्वारा संगीत संध्याएं, नाटक (नाट्य संगीत), लोककलाएं (जैसे लावणी, गोंधल) और नृत्य प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं। इस तरह इसका सांस्कृतिक महत्व भी है। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान गूण

संगीतमय जीवन

विख्यात खयाल गायिका गंगूबाई हंगल की आत्मकथा कई वर्ष पहले कन्नड़ भाषा में प्रकाशित हुई थी। हाल में ही उसका हिंदी अनुवाद 'जीवन संगीत' शीर्षक से प्रकाशित होकर आया है। यह आत्मकथा सामाजिक उपेक्षाओं, पारिवारिक समस्याओं और आर्थिक संकटों के बीच रहकर संगीत को समर्पित एक कलाकार की साधना यात्रा है। गंगूबाई हंगल ने कई स्थलों पर स्वीकार किया है कि उनकी मां के त्याग और उनके गुरुओं के सही मार्गदर्शन ने ही उन्हें इतनी प्रतिष्ठा दिलाई। यही नहीं वे पूरी विनम्रता से हर उस शख्स के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करती दिखाई देती हैं, जिन्होंने किसी भी रूप में उनकी संगीत साधना में जरा भी सहयोग प्रदान किया था। हालांकि कुछ स्थलों पर उनके मन में समाई टीस प्रकट हुई है। जातिगत भेदभाव पर अपने अतीत की याद करते हुए वह कहती हैं, 'अगर हम लोग किसी ऊंची जाति के घर खाना खाने जाते थे तो हमें खुद अपने बर्तन मांजने पड़ते थे।' किशोरावस्था में ही विवाह कर दिए जाने और उसके कुछ समय बाद ही मां-पिता के निधन होने के बावजूद गंगूबाई ने कभी अपनी संगीत साधना में व्यवधान नहीं आने दिया। इसी का परिणाम रहा कि वे हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत के क्षेत्र में उपलब्धियों के सोपानों पर अग्रसर रही और अद्वितीय प्रतिष्ठा प्राप्त की। इस आत्मकथा में कहीं भी आत्मश्लाघा का भाव नजर नहीं आता है। वे अपने सभी प्रशंसक संगीत प्रेमियों, विभिन्न सम्मानों से नवाजने के लिए सरकार के प्रति कृतज्ञता भी ज्ञापित करती हैं। *

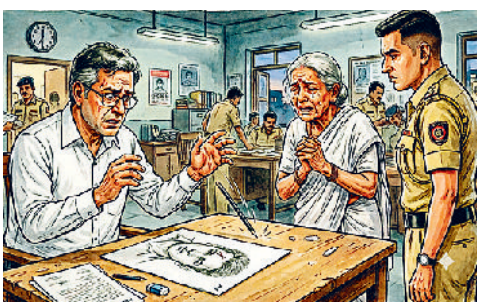


पुस्तक: जीवन संगीत- गंगूबाई हंगल (आत्मकथा), अनुवाद: मृत्युंजय, मूल्य: 199 रुपये, प्रकाशक: राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

लघुकथाएं

अविनाश पुलिस महकमे का वरिष्ठ स्केच आर्टिस्ट था। उसके हाथों से बने खाके कभी गलत नहीं होते थे। एक शाम, एक सहमी हुई बुजुर्ग महिला उसके घर में हुई डकेती के गवाह के तौर पर एक शख्स का हुलिया बताने पहुंची। अविनाश ने कागज पर पेंसिल टिकाई। जैसे-जैसे महिला उस शख्स के माथे के कटे निशान, तीखी नाक और गहरी आंखों का ब्योरा देने लगी, अविनाश की अंगुलियां कांपने लगीं। कैनवास पर उसके अपने इकलौते बेटे का चेहरा उभर रहा था। अविनाश के भीतर भयंकर द्वंद छिड़ गया, एक कलाकार की निष्ठा और बाप के मोह के बीच। क्या वह लकीरों को बदलकर अपने बेटे को बचा ले? उसने भारी मन से, बिना कोई हेर-फेर किए बिल्कुल हूबहू वैसा चेहरा उकेरा, जैसा महिला ने बताया था और ड्राइंग शीट पुलिस अप्रमत्त की ओर बढ़ा दिया। तभी महिला स्केच देखकर रोते हुए बोली, 'हां साहब! यही वो जीवांज लड़का है, जिसने डकेतों से भिड़कर मेरी जान बचाई। अस्पताल में बेहोश पड़ा है, इसके घर खबर करवा दो।' अविनाश की कांपती अंगुलियों से पेंसिल छूटकर गिर गई। *

-देवेंद्रराज सुथार



मराठी संस्कृति का प्रभाव